Current Affairs search results for: "SEBI reduces the face value on debt securities to Rs 1 Lakh"

### 1. सेबी ने निजी प्लेसमेंट के आधार पर जारी ऋण प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध करने की समय अवधि को घटाकर तीन दिन कर दिया ( Dec. 6, 2022 )

Sebi reduces time period for listing of debt securities issued on a private placement

पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निजी प्लेसमेंट के आधार पर जारी ऋण प्रतिभूतियों की लिस्टिंग के लिए समय सीमा को घटाकर **तीन दिन (टी+3)** कर दिया है। वर्तमान में, समयरेखा चार दिन(टी+4) है और नवीनतम कदम से निवेशकों द्वारा व्यापार के लिए प्रतिभूतियों की उपलब्धता में भी तेजी आएगी। टी इश्यू क्लोजर डेट को संदर्भित करता है।

नए दिशानिर्देश **1 जनवरी, 2023** से लागू होंगे।

इससे पहले अक्टूबर में सेबी ने निजी प्लेसमेंट के आधार पर जारी ऋण सुरक्षा और गैर-परिवर्तनीय प्रतिदेय वरीयता शेयरों का अंकित मूल्य मौजूदा 10 लाख रुपये से घटाकर 1 लाख रुपये कर दिया था।यह भी 1 जनवरी 2023 से लागू होगा।

सेबी अध्यक्ष: **माधबी पुरी बुच**

### 2. एसबीआई 2022-23 में 10,000 करोड़ रुपये का इंफ्रास्ट्रक्चर बांड जारी करेगा ( Nov. 30, 2022 )

SBI to issue Rs 10,000 crore infrastructure bonds in 2022-23

भारत के सबसे बड़े वाणिज्यिक बैंक भारतीय स्टेट बैंक(एसबीआई) के बोर्ड ने 29 नवंबर 2022 को 2022-23 के दौरान इंफ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड जारी करके 10,000 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बैंक ने कहा कि वह 2022-23 के दौरान पब्लिक इश्यू या प्राइवेट प्लेसमेंट के जरिए 10,000 करोड़ रुपये (5,000 करोड़ रुपये के ग्रीन शू ऑप्शन सहित) तक के इंफ्रास्ट्रक्चर बांड जारी करेगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड के जरिए जुटाई गई पूंजी का इस्तेमाल इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर की कंपनियों को कर्ज मुहैया कराने में किया जाएगा।

इससे पहले मई में एसबीआई बोर्ड ने विदेशी व्यापार वृद्धि को निधि देने के लिए 2022-23 वित्तीय वर्ष के दौरान विदेशी बाजार से **$ 2 बिलियन (लगभग 15,430 करोड़ रुपये) तक जुटाने की** मंजूरी दी थी।

**ग्रीन शू ऑप्शन**

ग्रीन शू विकल्प का मतलब है कि कंपनी के पास बाजार में मांग होने पर बांड या शेयरों को आवंटित करने का विकल्प है। उदाहरण के लिए एसबीआई बाजार में आता है और कहता है कि वह 200 रुपये के ग्रीन शू विकल्प के साथ 100 रुपये के 10 बांड बेचेगा। यहां बांड का कुल निर्गमन 1000 रुपये है।

मान लीजिए कि एसबीआई को 1500 रुपये के 15 निवेशकों से आवेदन प्राप्त होते हैं। बाजार की भाषा में यह कहा जाएगा कि एसबीआई का इशू **ओवरसब्सक्राइब** हो गया है।

किस निवेशक को बांड आवंटित किया जाएगा, इसका फैसला लॉटरी से तय होगा।

अब एसबीआई के पास दो विकल्प हैं। यह 1000 रुपये रख सकता है और निवेशकों को 500 रुपये की राशि वापस कर सकता है।

एसबीआई के लिए दूसरा विकल्प यह है कि वह ग्रीन शू विकल्प का प्रयोग करे। यहां ग्रीन शू का विकल्प 200 रुपये है इसलिए एसबीआई 200 रुपये अपने पास रखता है और बाकी 300 रुपये निवेशकों को वापस कर देता है।

भारतीय स्टेट बैंक एक भारतीय बहुराष्ट्रीय, सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकिंग और वित्तीय सेवा कंपनी है। . 30 सितंबर 2022 तक, भारत सरकार के पास बैंक में 57.52% हिस्सेदारी थी।

बैंक के अध्यक्ष: **दिनेश कुमार खारा**

मुख्यालय: **मुंबई**

## 3. सेबी ने ऋण प्रतिभूतियों पर अंकित मूल्य घटाकर 1 लाख रुपये कर दिया ( Oct. 29, 2022 )

SEBI reduces face value of debt

पूंजी और कमोडिटी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 28 अक्टूबर 2022 को निजी प्लेसमेंट के आधार पर जारी ऋण प्रतिभूति और गैर-परिवर्तनीय प्रतिदेय वरीयता शेयरों के **अंकित मूल्य (फेस वैल्यू)** को मौजूदा 10 लाख रुपये से घटाकर **1 लाख रुपये** कर दिया है ।

नए दिशानिर्देश **1 जनवरी, 2023** से लागू होंगे।

सेबी के मुताबिक ऐसा, निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए किया गया है और इससे कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार में तरलता भी बढ़ेगी।

**ऋण प्रतिभूतियां**

ऋण प्रतिभूतियां एक प्रकार का वित्तीय दस्तावेज है जो एक कंपनी द्वारा बाजार से पैसा उधार लेने के लिए जारी किया जाता है। ऋण प्रतिभूतियों के जारीकर्ता वादा करते हैं कि वह एक निश्चित समय अवधि के बाद पैसा वापस कर देगा और उधार के पैसे पर उल्लिखित ब्याज का भुगतान भी करेगा। ऋण प्रतिभूतियों के कुछ उदाहरण बांड, डिबेंचर आदि हैं।

**प्रतिभूतियों का अंकित मूल्य. टेन्योर और कूपन दर क्या है?**

**अंकित मूल्य(फेस वैल्यू )** वह नाममात्र मूल्य है जो किसी कंपनी द्वारा जारी प्रतिभूतियों पर अंकित होता है । उदाहरण के लिए एक कंपनी 5 साल की अवधि के लिए और 10% की ब्याज दर के साथ 100 रुपये का बांड जारी करती है।

यहां बॉन्ड की **अंकित मूल्य(फेस वैल्यू )**100 रुपये होगी।

[illegible] /Tenure [illegible] 5 [illegible]

[illegible] 10% [illegible]

**[illegible]**

[illegible] ([illegible], [illegible], [illegible]) [illegible]

[illegible] ([illegible]) [illegible] ([illegible]) [illegible]

[illegible]

**[illegible]**

[illegible], [illegible], [illegible] ([illegible]) [illegible]

[illegible]

**[illegible] ([illegible])**

[illegible] ([illegible]) [illegible] 12 [illegible] 1988 [illegible] 30 [illegible] 1992 [illegible] 1992 [illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible] (1988-90) [illegible]
- **[illegible]** [illegible] 10 [illegible]
- [illegible]: **[illegible]**